चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	09.10.2021	--	--

प्रशिक्षण : खुम्ब में होते हैं कई तरह के औषधीय गुण

हिसार/9 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संपन्न हो गया। प्रशिक्षण में हरियाणा के अलावा राजस्थान से 59 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ अशोक कुमार गोदारा ने बताया की इस तरह के प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवक युवतियों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व रोजगार के रूप में अपना सकते हैं तथा सारा वर्ष मशरूम की विभिन्न प्रजातियां जैसे सफेद बटन मशरूम (अक्तूबर से फरवरी) ढींगरी (मार्च से अप्रैल), दूधिया मशरूम, धान के पुआल की मशरूम (जुलाई से अक्तूबर) को उगाकर सारा साल उत्पादन किया जा सकता है और स्वावलंबी बना जा सकता है। उन्होंने बताया कि हरियाणा तथा भारत सरकार द्वारा किसानों तथा बेरोजगार युवक व युवतियों को मशरूम उत्पादन को कृषि विविधिकरण के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के आयोजक डॉ सतीश कुमार, डॉ राकेश चुघ, डॉ निर्मल कुमार, डॉ डीके शर्मा, डॉ मनमोहन, डॉ जगदीप, प्रगतिशील किसान विकास वर्मा ने प्रतिभागियों को खुंब उत्पादन व उससे संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारियां मुहैया करवाई।

वैज्ञानिकों ने बताया कि प्रदेश खुम्ब उत्पादन मे पंजाब के बाद अपना स्थान बनाए हुए है। हरियाणा में ज्यादातर किसान सफेद बटन खुम्ब की खेती करते है और 3-4 महीने की इस फसल के समाप्त होते ही मशरूम फार्म को बंद कर देते हैं। उन्होंने बताया कि ढींगरी व दूधिया मशरूम को लगाने का तरीका बहुत ही सरल है और सफेद बटन मशरूम से उत्पादन भी ज्यादा होने के साथ साथ इनमें स्वादिष्टता पौष्टिकता और औषधीय गुण भी बटन मशरूम से ज्यादा पाये जाते हैं। ढींगरी व दूधिया खुम्बों में भी प्रोटीन, विटामिन, खनिज, लवण, अमीनो एसिड इत्यादि प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। इन खुम्बों में भी कई तरह के औषधीय गुण मौजूद होते हैं जो शरीर मे होने वाले रोगों जैसे ज्यादा रक्तचाप, शुगर, कैंसर, दिल के रोगों इत्यादि से शरीर की रक्षा करने मे सहायक होते हैं। विश्वविद्यालय की पौध रोग विभाग की मशरूम टेक्नोलोजी प्रयोगशाला में सफेद बटन मशरूम, ढींगरी मशरूम, दूधिया मशरूम इत्यादि का बीज उपलब्ध रहता है। उन्होंने सलाह दी कि मशरूम व्यवसाय की शुरूआत एक कमरे या शेड से शुरू करनी चाहिए और धीरे-धीरे इस व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहिए। साथ ही बीज खरीदने से पहले अच्छी तरह जांच करनी चाहिए कि इसमें किसी तरह का दूसरा कवक/बैक्टीरिया न हो और बीज ज्यादा पुराना न हो। खुम्ब उत्पादन इकाई के इलावा खाद उत्पादन इकाई, बीज उत्पादन इकाई, खुम्ब परिरक्षण इकाई जैसे डिब्बाबंदी करके, आचार बनाकर, सुखाकर, पाउडर से कई तरह के व्यंजन तैयार करने की इकाइयों को लगाया जा सकता है। खुम्ब से मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे खुम्ब का आचार, बिस्कुट, मुरब्बा, पापड़, बड़ियां, चटनी, कढ़ी, कैंडी तथा मशरूम से दूसरे व्यंजनों मे इस्तेमाल करने कि विधियों पर प्रकाश डाला और प्रशिक्षणार्थियों का विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलोजी प्रयोगशाला का भ्रमण भी करवाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	09.10.2021	--	--

एचएयू वैज्ञानिकों की सलाह, भूमिहीन भी कर सकते हैं मशरूम का व्यवसाय, कम लागत में देता है अधिक मुनाफा

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संपन्न हो गया। प्रशिक्षण में हरियाणा के अलावा राजस्थान से 54 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। यह जानकारी देते हुए संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज के दिशा-निर्देश में इस तरह के प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपना सकते हैं तथा सारा वर्ष मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जैसे सफेद बटन मशरूम (अक्तूबर से फरवरी), ढींगरी (मार्च से अप्रैल), दूधिया मशरूम/धान के पुआल की मशरूम (जुलाई से अक्टूबर) को उगाकर सारा साल

मशरूम का उत्पादन किया जा सकता है और स्वावलंबी बना जा सकता है। उन्होंने बताया कि हरियाणा तथा भारत सरकार द्वारा किसानों तथा बेरोजगार युवक व युवतियों को मशरूम उत्पादन को कृषि विविधिकरण के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान की ओर से विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण समय-समय पर आयोजित किए जाते रहते हैं। इसलिए संस्थान से जुड़ें व प्रशिक्षण हासिल कर आत्मनिर्भर बनें। प्रशिक्षण के आयोजक डॉ. सतीश कुमार, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. डी. के. शर्मा, डॉ. मनमोहन, डॉ. जगदीप, प्रगतिशील किसान विकास वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को खुंब उत्पादन व उससे संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारियां मुहैया करवाई। पौष्टिकता व औषधीय गुणों से भरपूर है मशरूम वैज्ञानिकों ने बताया कि हरियाणा प्रदेश खुम्ब उत्पादन में पंजाब के बाद अपना स्थान बनाए हुए है। हरियाणा में ज्यादातर किसान सफेद बटन खुम्ब की खेती करते हैं और 3-4 महीने की इस फसल के समाप्त होते ही मशरूम फार्म को बंद कर देते हैं। उन्होंने बताया कि ढींगरी व दूधिया मशरूम को उगाने का तरीका बहुत ही सरल है और सफेद बटन मशरूम से उत्पादन भी ज्यादा होने के साथ साथ इनमें स्वादिष्टता, पौष्टिकता और औषधीय गुण भी बटन मशरूम से ज्यादा पाये जाते हैं। ढींगरी व दूधिया खुम्बों में भी प्रोटीन, विटामिन, खनिज, लवण, अमीनो एसिड इत्यादि प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। विश्वविद्यालय की पौध रोग विभाग की मशरूम टैक्नोलॉजी प्रयोगशाला में सफेद बटन मशरूम, ढींगरी मशरूम, दूधिया मशरूम इत्यादि का बीज उपलब्ध रहता है। उन्होंने सलाह दी कि मशरूम व्यवसाय की शुरुआत एक कमरे या शेड से शुरू करनी चाहिए और धीरे-धीरे इस व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहिए। साथ ही बीज खरीदने से पहले अच्छी तरह जांच करनी चाहिए कि इसमें किसी तरह का दूसरा फफूंद/बैक्टीरिया न हो और बीज ज्यादा पुराना न हो। खुम्ब उत्पादन इकाई के इलावा खाद उत्पादन इकाई, बीज उत्पादन इकाई, खुम्ब परिरक्षण इकाई जैसे डिब्बाबंदी करके, अचार बनाकर, सुखाकर, पाउडर से कई तरह के व्यंजन तैयार करने की इकाईयों को लगाया जा सकता है। खुम्ब से मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे खुम्ब का आचार, बिस्कुट, मुरब्बा, पापड़, बडि़यें, चटनी, कढ़ी, कैंडी तथा मशरूम से दूसरे व्यंजनों में इस्तेमाल करने कि विधियों पर प्रकाश डाला और प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय की मशरूम टैक्नोलॉजी प्रयोगशाला का भ्रमण भी करवाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	09.10.2021	--	--

हकृवि में आयोजित मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण का समापन

एचएयू वैज्ञानिकों की सलाह, भूमिहीन भी कर सकते हैं मशरूम का व्यवसाय, कम लागत में देता है अधिक मुनाफा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	09.10.2021	--	--

मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण का समापन

एचएयू वैज्ञानिकों की सलाह, भूमिहीन भी कर सकते हैं मशरूम का व्यवसाय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	07-10-21	05	4-6

चार करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ एचएयू का डिजिटल म्यूजियम

जागरण विशेष

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि ने एक नए तरीके का संग्रहालय तैयार किया है। जिसमें आपको हरियाणा की पूरी जानकारी डिजिटल रूप से मिलेगी। आर्टिफिशियल इंटैलीजेंस के माध्यम से आप ट्रैक्टर पर बैठकर एचएयू का दौरा भी कर पाएंगे। इसके साथ ही यहां मूर्तियों को उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के शिल्पकारों ने तैयार किया है। म्यूजियम को डिजिटल रूप देने के लिए पिछले दो वर्ष से काम चल रहा था। दरअसल पहले एचएयू में बने संग्रहालय में सभी जानकारी एनालाग थी। समय-समय पर यहां पर जानकारियों के चार्ट मैनुअली बदलने पड़ते थे। मगर अब प्रदेश में सभी फसलें, उनमे आने वाली समस्याएं, उनके निदान, फसलों को करने के तरीके, किस्में आदि जानकारियों आपको यहां डिजिटल पैनल पर एक क्लिक में ही मिल सकेगी। एचएयू का यह संग्रहालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा मिली चार करोड़ रुपये की ग्रांट से तैयार किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का नया संग्रहालय। • एचएयू

इंटेक्टिव वर्किंग माडल पर आधारित है संग्रहालय

संग्रहालय में कुछ सिस्टम ऐसे लगाए हैं कि आप यहां से आसानी से जानकारी ले सकेंगे। वर्किंग माडल इंटरेक्टिव बनाया गया है। आपको हरियाणा में पाई जाने वाली 12 प्रकार की मिट्टियां, उनकी विशेषताएं, उनमें होने वाली फसलें जैसी जानकारी ले सकेंगे। मतबल आप जितना चाहें उतनी जानकारी ग्रहण करें। इसके साथ ही यहां सर्विलांस के लिए सीसीटीवी कैमरे और फायर सेफ्टी अलार्म भी स्थापित किए गए हैं।

थिएटर में एचएयू के कार्यों को जान सकेंगे

इस संग्रहालय में एक थिएटर रूम भी बनाया गया है। जिसके जरिए यहां आने वाले लोगों को एचएयू के कार्यों से रूबरू कराया जाएगा। इसके साथ कृषि विकास से जुड़ी डाक्यूमेंट्री सिनेमा हाल की तरह का माहौल बनाती नजर आएगी। संग्रहालय का मुख्य द्वार भी पुराने जमाने के समय की तरह ही डिजाइन किया है ताकि लोगों को पुराने समय का अहसास हो। यहां एक पुस्तकालय भी बनाया गया है, जिसमें हरियाणवी संस्कृति से जुड़ी पुस्तकों को पढ़ सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
. लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण,	9-10-21	02, 04	04, 01

एचएयू में किचन गार्डनिंग पर 3 दिनी वर्चुअल ट्रेनिंग 13 से

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से तीन दिवसीय किचन गार्डनिंग वर्चुअल प्रशिक्षण 13 अक्टूबर से किया जाएगा। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण में हिस्सा लेने के लिए प्रतिभागी गूगल मीट के लिंक से जुड़ सकते हैं। दशहरा के दिन अवकाश रहेगा और तीन दिन प्रशिक्षण में हिस्सा लेने पर प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट प्रदान किए जाएंगे।

एक नजर में

एचएयू में तीन दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण 13 से

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से तीन दिवसीय किचन गार्डनिंग वर्चुअल प्रशिक्षण का आयोजन 13 अक्टूबर से किया जाएगा। संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए प्रतिभागी गुगल मीट के लिंक से जुड़ सकते हैं। दशहरे के दिन अवकाश रहेगा और लगातार तीन दिन के प्रशिक्षण में भाग लेने पर प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट संस्थान द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10-10-21	04	1-3

सलाह मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण का समापन

मशरूम के व्यवसाय से बढ़ाएं आय

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संपन्न हो गया। प्रशिक्षण में हरियाणा के अलावा राजस्थान से 59 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। यह जानकारी देते हुए संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक कुमार गोदारा ने बताया की कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज के दिशा-निर्देश में इस तरह के प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपना सकते हैं तथा सारा वर्ष मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जैसे सफेद बटन मशरूम (अक्तूबर से फरवरी), ढींगरी (मार्च से अप्रैल), दूधिया मशरूम/धान के पुवाल की मशरूम (जुलाई से अक्टूबर) को उगाकर सारा साल मशरूम का उत्पादन किया जा सकता है और स्वावलंबी बना जा सकता है। उन्होंने बताया कि हरियाणा तथा भारत सरकार द्वारा किसानों तथा बेरोजगार युवक व युवतियों को मशरूम उत्पादन को कृषि विविधिकरण के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान की ओर से विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण समय-समय पर आयोजित किए जाते रहते हैं। इसलिए संस्थान से जुड़कर व प्रशिक्षण हासिल कर आत्मनिर्भर बनें।

एचएयू में प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते विज्ञानी। ● एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	10-10-21	04	3-4

'भूमिहीन भी कर सकते हैं मशरूम का व्यवसाय, कम लागत अधिक मुनाफा'

हिसार। एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संपन्न हो गया। प्रशिक्षण में हरियाणा के अलावा राजस्थान से 59 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपना सकते हैं। इस मौके पर डॉ. सतीश कुमार, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. डीके शर्मा, जगदीप, प्रगतिशील किसान विकास वर्मा मौजूद रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11-10-21	02	07-08

व्यावसायिक प्रशिक्षण का हुआ समापन

हिसार| एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान का मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संपन्न हो गया। इसमें हरियाणा के अलावा राजस्थान के प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया की वीसी प्रो. बीआर काम्बोज के दिशा-निर्देश में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हो रहा है। प्रशिक्षण के आयोजक डॉ. सतीश कुमार, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. मनमोहन, डॉ. जगदीप, गने प्रतिभागियों को जानकारी दी।